Shailputri Mata Ki Aarti

|| माँ शैलपुत्री की आरती ||

शैलपुत्री मां बैल असवार |
करें देवता जय जयकार ||

शिव शंकर की प्रिय भवानी |
तेरी महिमा किसी ने ना जानी ||

पार्वती तू उमा कहलावे |
जो तुझे सिमरे सो सुख पावे ||

ऋद्धि-सिद्धि परवान करे तू |
दया करे धनवान करे तू ||

सोमवार को शिव संग प्यारी |
आरती तेरी जिसने उतारी ||

उसकी सगरी आस पुजा दो |
सगरे दुख तकलीफ मिटा दो ||

घी का सुंदर दीप जला के |
गोला गरी का भोग लगा के ||

श्रद्धा भाव से मंत्र गाएं |
प्रेम सहित फिर शीश झुकाएं ||

जय गिरिराज किशोरी अंबे |
शिव मुख चंद्र चकोरी अंबे ||

मनोकामना पूर्ण कर दो |
भक्त सदा सुख संपत्ति भर दो ||

eAstroHelp
Your Happiness Helpline